भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर और आईआईटी (आईएसएम) धनबाद ने अनुसंधान एवं शैक्षणिक सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

भुवनेश्वर, 16 सितंबर 2026: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स) धनबाद ने अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने तथा शैक्षणिक एवं विद्वतापूर्ण संवाद को सुदृढ़ करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग में सेमीकंडक्टर और मौलिक विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं। समझौता ज्ञापन पर 16 सितंबर 2026 को आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. श्रीपद कर्मालकर और आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर प्रो. सुभ्रांशु आर. सामंतराय, डीन-पीजी एवं अनुसंधान कार्यक्रम; प्रो. विजय शंकर पासुपुरेड्डी, डीन-प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक परामर्श; प्रो. अनिमेष मंडल, डीन-पूर्व छात्र, कॉर्पोरेट एवं अंतरराष्ट्रीय संबंध; प्रो. श्यामल चटर्जी, डीन-सतत शिक्षा; प्रो. उमाप्रसन्ना ओझा, डीन-संकाय मामले; तथा प्रो. चंद्रशेखर एन. भैंडे, विभागाध्यक्ष-विद्युत अभियांत्रिकी एवं समन्वयक प्रमुख, विद्युत एवं कंप्यूटर विज्ञान विद्यालय भी उपस्थित थे।

यह सहयोग संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रमों, सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं तथा डॉक्टरेट विद्यार्थियों के पारस्परिक पर्यवेक्षण को सुगम बनाएगा। दोनों संस्थान संकाय सदस्यों के बीच संवाद एवं आदान-प्रदान के अवसरों का भी पता लगाएंगे, जिसमें विजिटिंग फैकल्टी और एडजंक्ट फैकल्टी के पदों के साथ-साथ शिक्षण-अधिगम सत्रों, सेमिनारों और ऑब्जर्वरशिप के लिए छात्र आदान-प्रदान शामिल हैं।

समझौता ज्ञापन के तहत दोनों संस्थान संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं संचालित करने तथा बाहरी एजेंसियों से वित्त पोषण प्राप्त करने की संभावनाओं का पता लगाएंगे। प्रारंभिक चरण में दोनों संस्थान सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में अनुसंधान के अवसरों का अन्वेषण करेंगे। इसके साथ ही, दोनों संस्थान प्रायोगिक संसाधनों को साझा करने, बड़े पैमाने की प्रायोगिक सुविधाओं के विकास एवं संयुक्त उपयोग की संभावनाओं का पता लगाने तथा संयुक्त चर्चा बैठकों के आयोजन की दिशा में कार्य करेंगे। इन प्रयासों का उद्देश्य विशेषज्ञता का साझा आधार विकसित करना और विशिष्ट प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अनुसंधान को और अधिक गति प्रदान करना है।

इस अवसर पर आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. श्रीपद कर्मालकर ने कहा, “आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के साथ इस सहयोग के माध्यम से हमारा उद्देश्य संयुक्त अनुसंधान, शैक्षणिक आदान-प्रदान और डॉक्टरेट स्तर की सहभागिता के लिए अधिक अवसर सृजित करना है। दोनों संस्थानों की पूरक क्षमताओं को एक साथ लाकर हम सार्थक अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने और ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति करने की आशा करते हैं।”

आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने कहा, “यह समझौता ज्ञापन अनुसंधान और शिक्षा के क्षेत्र में गहन सहयोग की दिशा में एक बड़ी यात्रा की शुरुआत का प्रतीक है। दोनों संस्थानों की क्षमताओं और विशेषज्ञता को एक साथ लाकर हम ऐसे सार्थक साझेदारियों के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने की आशा करते हैं, जो दीर्घकालिक प्रभाव उत्पन्न करें और विज्ञान एवं समाज की उन्नति में योगदान दें।”

यह साझेदारी संयुक्त आउटरीच कार्यक्रमों का भी प्रावधान करती है, जिनका उद्देश्य सहयोगात्मक शैक्षणिक एवं अनुसंधान पहलों की दृश्यता और पहुंच को बढ़ाना है। यह समझौता ज्ञापन पारस्परिकता और परस्पर लाभ पर आधारित एक रूपरेखा स्थापित करता है, जिसके अंतर्गत दोनों संस्थान परस्पर सहमति से चिन्हित क्षेत्रों में संकाय सदस्यों, कार्मिकों और विद्यार्थियों का आदान-प्रदान करेंगे।

यह समझौता पांच वर्षों की अवधि तक प्रभावी रहेगा तथा आपसी सहमति से इसके विस्तार का प्रावधान है। सहयोगात्मक गतिविधियों के माध्यम से संयुक्त रूप से सृजित बौद्धिक संपदा पर दोनों संस्थानों का 50:50 के अनुपात में संयुक्त स्वामित्व होगा, जब तक कि अलग समझौतों के माध्यम से अन्यथा सहमति न हो।

यह सहयोग दोनों संस्थानों की पूरक शैक्षणिक एवं अनुसंधान क्षमताओं का लाभ उठाते हुए वैज्ञानिक अनुसंधान, ज्ञान के आदान-प्रदान और शैक्षणिक सहभागिता को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।